

**सलाह के बिना योजनाएँ विफल हो जाती हैं,
लेकिन बहुत से सलाहकारों के साथ वे सफल होती हैं। नीतिवचन 15:22 - एक कहावत की
कहानीटेड हिल्डेब्रांट और चैपग्ट द्वारा**

एल्डरग्लेन गांव पीढ़ियों से फल-फूल रहा था। इसके लोग अपनी एकता और बुद्धिमत्ता के लिए जाने जाते थे, अक्सर मुश्किल समय में पड़ोसी गांव वाले उनसे मदद मांगते थे।

लेकिन जब एक वसंत ऋतु में उनके बागों में एक बीमारी ने हमला किया, तो उनके सामान्य सामंजस्य की जगह घबराहट ने ले ली। पेड़ों पर काले फल लगे थे, और पत्तियाँ मुड़ कर पतझड़ की हवा से बहुत पहले ही गिर गईं। एक ऐसे गाँव के लिए जो अपनी फसल पर निर्भर रहता था, यह मौत की सज़ा थी।

गांव के मुखिया कार्सन एक युवा व्यक्ति थे, जिनके दिल में जोश तो था, लेकिन अनुभव कम था। उन्होंने तत्काल निर्णय लिया, "हमें संक्रमित पेड़ों को तुरंत जला देना चाहिए और नए पौधे लगाने चाहिए। यही एकमात्र रास्ता है।"

कुछ ग्रामीणों ने कार्रवाई के लिए बेताब होकर सिर हिलाया। लेकिन मैकेंजी नाम की एक बुजुर्ग महिला आगे आई। उसने धीरे से कहा, "चीफ कार्सन, ऐसा फैसला जल्दबाजी में नहीं लिया जा सकता। यह जमीन पुरानी है और इसकी बीमारियाँ भी पुरानी हैं। हमें सलाह लेनी चाहिए।"

कार्सन ने भौंहेँ सिकोड़ीं। "हमारे पास समय नहीं है। हर दिन जब हम इंतजार करते हैं, तो विपत्ति फैलती जाती है।"

फिर भी, मैकेंजी ने अपनी बात पर अड़ी रहीं। उन्होंने पुरानी कहावत दोहराई, "सलाह के बिना योजनाएँ विफल हो जाती हैं, लेकिन कई सलाहकारों के साथ वे सफल हो जाती हैं।"

अनिच्छा से, कार्सन एक परिषद बुलाने पर सहमत हो गये।

उन्होंने गांव के हर्बलिस्ट को बुलाया, जिन्होंने पहले भी बीमार फसलों का इलाज किया था। वे एक यात्री को लेकर आए जिसने पहाड़ों के पार इसी तरह की बीमारी देखी थी। लोहार, हालांकि कोई किसान नहीं था, उसने मिट्टी को फोर्ज क्ले से समझा और अपनी अंतर्दृष्टि प्रदान की। यहां तक कि पेड़ों के बीच घंटों बिताने वाले बच्चों ने भी बताया कि उन्होंने क्या देखा था - बीमारी के प्रकट होने से पहले जड़ों से चींटियाँ भाग रही थीं और हवा में एक अजीब सी गंध आ रही थी।

प्रत्येक आवाज़ से सत्य का एक अंश निकलता था।

उन्हें जल्द ही पता चला कि यह बीमारी पेड़ों की नहीं, बल्कि मिट्टी की है - जो नमी वाली छाया में पनपने वाले जहरीले हरे कवक से जहरीली हो गई है। पेड़ों को जलाने से बीजाणु और फैल सकते थे,

जिससे भविष्य की फसलें बर्बाद हो सकती थीं।

इसके बजाय, उन्होंने जड़ों तक सूरज की रोशनी पहुँचाने के लिए झाड़ियों को साफ किया, मिट्टी को सुखाने के लिए उसमें राख और रेत मिलाई, और ऐसी जड़ी-बूटियाँ लगाई जो कवक के प्रसार को रोकने के लिए जानी जाती हैं।

यह धीमी गति से काम था, और पहले सीज़न में बहुत कम उपज हुई। लेकिन अगले साल की शरद ऋतु तक, बाग में हरियाली लौट आई, और फल, हालांकि कम थे, स्वस्थ और मीठे थे।

कार्सन एक फलों से लदी शाखा के नीचे खड़ा था और मैकेजी की ओर मुड़ा। "मैंने अपनी निश्चितता से हमें लगभग बर्बाद कर दिया था।"

वह मुस्कराई और उसके कंधे से एक पत्ता हटा दिया। "नेतृत्व का मतलब सब कुछ जानना नहीं है, कार्सन। इसका मतलब है यह जानना कि कब सुनना है।"

उस दिन से, गाँव में हर महीने एक सभा होने लगी, जहाँ कोई भी आवाज़ सुनी जा सकती थी और ज्ञान साझा किया जा सकता था। एल्डरग्लेन न केवल फसल में, बल्कि दिल में भी मजबूत हुआ - एक ऐसी जगह जहाँ सलाह को साहस जितना ही महत्व दिया जाता था, और एकता उनकी सबसे समृद्ध फसल थी।

कार्सन ने अपनी आवाज़ ऊँची की ताकि गाँव वाले सुन सकें। उन्होंने घोषणा की कि गाँव के प्रवेश द्वार पर पत्थर पर प्राचीन कहावत खुदी हुई है: "बिना सलाह के योजनाएँ विफल हो जाती हैं, लेकिन बहुत से सलाहकारों से वे सफल होती हैं" (नीतिवचन 15:22)।